अहकाम जो इ[illegible] हुक्म की [illegible] में जारी हु[illegible]	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारी[illegible] अहकाम जो [illegible] हुक्म की तामी[illegible] में जारी हुए[illegible]
	18/8/22 पत्रावली पेश हुई। उभयपक्ष अधिवक्ता हाजिर। श्रीमान् पीओ साहब अवकाश/चुनाव/दीगर/दौरे कार्य मे व्यस्त है। पत्रावली वास्ते [illegible] दिनांक 10/8/22 को पेश हो। [illegible] [illegible]/2/22 पत्रावली पेश हुई। उभयपक्ष अधिवक्ता हाजिर श्रीमान् पीओ साहब अवकाश/चुनाव/दीगर/दौरे कार्य मे व्यस्त है। पत्रावली वास्ते [illegible] दिनाक 21/4/22 को पेश हो। 21/4/22 पत्रावली पेश हुई। उभयपक्ष अधिवक्ता हाजिर। प्रा0अ0 का मूल वाद अधीन है जिस से प्रार्थना पत्र मे कोई कार्यवाही शेष नही रहने से प्रार्थी का प्रा0अ0 अधि0 1955 के अधीन निरस्त किया जाता है। पत्रावली की पालना निर्णय के हिसाब की जाकर वाद अवशेष कार्यवाही अभिलेखागार में निर्णय युक्त अभिलेखागार मे सुरक्षित रखे। (नीलम कसोटा) सहायक कलेक्टर (उपखण्ड अधिकारी) राशमी	[illegible] अधि0 [illegible] प्रा0 [illegible] [illegible] दिनांक [illegible] [illegible] [illegible]